मंदसौर में अनार में घोटाला किया, तो शाजापुर में संतरे बगीचे के नाम पर फर्जीवाड़ा

जिला उद्यानिकी अधिकारी के खिलाफ लोकायुक्त में है प्रकरण दर्ज, जांच दल संतरे के मामले में कब तक करेगा निष्पक्ष जांच

शाजापुर। शाजापुर उद्यानिकी विभाग ने 5 हजार बीघा में फर्जी तरीके से संतरे बगीचे के जीर्णोद्धार के लिए करोड़ों का घोटाला किया. इस मामले में जिला प्रशासन ने नवभारत की खबर के बाद 5 सदस्यीय दल का गठन किया, जिसमें गठित दल के लिए कलेक्टर ने आदेश दिया था कि जीर्णोद्धार बगीचे के लिए भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य अनुसार किसानों की सूची का सत्यापन करें, लेकिन आज दिनांक तक जांच दल ने किसी भी किसान से न सत्यापन किया और न ही मौके पर जाकर इस घोटाले की जांच की. हर घोटाले की तरह ये घोटाला भी अब जांच के नाम पर फाइलों में दफन कर दिया गया.

गौरतलब है कि शाजापुर जिला उद्यानिकी विभाग ने 1100 हेक्टेयर याने 5 हजार बीघा में वर्ष 2024-25 में संतरे के बगीचे के जीर्णोद्धार के लिए 3 करोड़ रुपए का घोटाला कर दिया. सूची में जिन किसानों के नाम पर जीर्णोद्धार के लिए सामग्री देना बताया गया है, उनमें से कई किसानों के संतरे के बगीचे ही नहीं है. यह खबर लगातार *नवभारत* ने प्रमुखता से प्रकाशित की थी. खबर के बाद शाजापुर कलेक्टर ऋजु बाफना ने दिनांक 4 फरवरी 2026 को पांच सदस्यीय दल का गठन किया, जिसमें डिप्टी कलेक्टर अंकिता पाटकर, उप संचालक कृषि आरएल जामरे, जिला विपणन अधिकारी श्रीमती जेनिफर खान, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. जीआर अम्बावतिया, वैज्ञानिक डॉ. एसएस धाकड़ इस दल में शामिल थे. जिन्हें सात दिन में पुराने बगीचे के जीर्णोद्धार योजना घटक में आवंटित की गई राशि का भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य अनुसार जीर्णोद्धार के संलग्न किसानों की सूची के सत्यापन जांच कर जांच प्रतिवेदन 7 दिवस में प्रस्तुत करना था, लेकिन आज दिनांक तक इस जांच में किसी भी जांच दल के सदस्य ने किसानों के पास पहुंचकर भौतिक सत्यापन नहीं किया. अब देखना है कि इस जांच रिपोर्ट में कितनी सच्चाई निकलकर बाहर आती है.

प्रभारी मंत्री की बात निकली झूठी...

उद्यानिकी विभाग के विभागीय मंत्री और शाजापुर जिले के प्रभारी मंत्री नारायण सिंह कुशवाह को जब *नवभारत* ने इस घोटाले की जानकारी दी. तो उन्होंने कहा था कि ऐसा कोई आवंटन आवंटित ही नहीं हुआ. न ही किसानों की ऐसी कोई सूची है. जबकि नवभारत के पास 2024-25 में इस योजना के तहत जो राशि जारी की गई थी, उन किसानों की पूरी सूची उपलब्ध है. प्रभारी मंत्री का यह झूठ उस समय उजागर हो गया, जब उन्होंने ऐसी सूची से ही इनकार कर दिया. आखिर प्रभारी मंत्री ने एक भ्रष्ट अधिकारी को बचाने के लिए ये झूठ क्यों बोला? क्या प्रभारी मंत्री इस घोटाले को दबाना चाहते हैं. किसानों से जुड़ा यह मामला यदि दब गया, तो आने वाले समय में किसानों के नाम से फर्जीवाड़े का काम और तेजी से होगा.

क्या इस मामले में होगी कार्रवाई ...या मामला हो जाएगा ठंडा ...?

एक तरफ सुशासन और भ्रष्टाचार को लेकर बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं. दूसरी तरफ एक ऐसा भ्रष्टाचार जो प्रथम दृष्टया नजर आ रहा है. इसे दबाने के लिए तमाम प्रयास किए जा रहे हैं. अब देखना यह है कि जांच दल अपनी जांच रिपोर्ट में इस भ्रष्टाचार को कितना उजागर करता है और कितना दबाता है।

मंदसौर में हो चुकी है लोकायुक्त में शिकायत

शाजापुर उद्यानिकी विभाग के जिला अधिकारी मनीष चौहान के फर्जीवाड़े की कहानी शाजापुर में नहीं मंदसौर में भी देखने को मिली है. जहां मंदसौर जिले में करोड़ों का डीवीटी घोटाला किया गया था. जिसमें यंत्रीकरण योजना एवं अनार क्षेत्र विस्तार योजना में 4 करोड़ के वित्तीय घोटाले का मामला सामने आया था. इस मामले में उज्जैन लोकायुक्त ने अपराध क्रमांक 214/2022 दर्ज किया था. इनके खिलाफ शासन ने कार्यवाही करने के बजाय इन्हें शाजापुर में पदस्थ कर दिया. मंदसौर के मुकेश पिता बालमुकुंद पाटीदार ने इस मामले में शिकायत भी की थी और मंदसौर कलेक्टर द्वारा कराई गई जांच में मनीष चौहान दोषी पाए गए थे. जिनके ऊपर लोकायुक्त ने मामला दर्ज किया था, लेकिन चालान अभी भी लंबित है. अब इस मामले में शिकायतकर्ता ने उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की है.

एक नजर में

त्योहार सौहार्दपूर्ण ढंग से पर्व मनाने की अपील

शुजालपुर। प्रशासन ने शांति समिति की बैठक का आयोजन एसडीएम सभागृह में आयोजित किया. इस दौरान होली, रंग पंचमी व ईद पर्व की व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों ने शांति समिति सदस्यों से चर्चा की. बता दे होली का दहन 3 मार्च को, धुलेंडी 4 मार्च को एवं रंग पंचमी का पर्व 8 मार्च को तथा ईद 21 मार्च को मनाई जाएगी. इन पर्वो पर होने वाले आयोजनों की जानकारी समिति सदस्यों ने दी. अधिकारियों ने पर्व शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की अपील करते हुए कहा कि पर्व के दौरान व्यवस्था बिगाडने वाले लोगों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी. बैठक में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व राजकुमार हलदर, एसडीओ पुलिस निमेष देशमुख, मुख्य नगर पालिका अधिकारी ओमप्रकाश शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व शांति समिति सदस्य तथा पार्षदगण मौजूद रहे.

दो दिन में 10 डिग्री से अधिक बढ़ा दिन का तापमान

शाजापुर। मौसम परिवर्तन का क्रम फिर शुरू हो गया है. दो दिन पहले लोगों को सर्दी से ठिठुरना पड़ रहा था और बारिश भी हो रही थी, लेकिन फिर मौसम बदलना प्रारंभ हो गया है और दो दिन में ही अधिकतम तापमान में 10 डिग्री से अधिक उछाल दर्ज किया गया है. मौसम विभाग की मानें, तो अगले सप्ताह तक तापमान 35 या इससे अधिक तक भी पहुंच सकता है. हालांकि सुबह और शाम को जरूर मौसम सर्द बना हुआ है और अभी भी सुबह जल्दी काम पर निकलने वाले लोग गर्म कपड़ों का सहारा ले रहे हैं, लेकिन अगले सप्ताह रात के तापमान में भी उछाल आना शुरू होगा. मौसम विभाग के अनुसार रात का तापमान भी 15 डिग्री से अधिक पहुंच सकता है. इसके बाद लोगों को पंखे और कूलर ही राहत दे सकते हैं. मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि जो सिस्टम बना था और जितनी बारिश होना थी हो गई. यह जरूर है कि एक-दो दिन में आसमान पर हल्के बादल जरूर छा सकते हैं, लेकिन अब बारिश की कोई संभावना नहीं है. उन्होंने बताया कि इस सप्ताह के अंत तक ही दिन का तापमान 35 डिग्री तक और रात का तापमान 15 डिग्री तक पहुंच सकता है. इसके बाद गर्मी का दौर शुरू होगा।

जनगणना को लेकर जिला स्तरीय प्रशिक्षण जारी

शाजापुर। जनगणना 2027 के प्रथम चरण के लिए मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के कार्य के लिए कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी सुश्री ऋजु बाफना की अध्यक्षता में जिला स्तरीय दो दिवसीय प्रशिक्षण 23 एवं 24 फरवरी को सुबह 10.30 बजे से सायं 5 बजे तक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष शाजापुर में आयोजित किया जा रहा है. अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी ने बताया कि उक्त प्रशिक्षण जनगणना निदेशालय मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा नामांकित प्रशिक्षकों जिसमें राजेश कुमार मोरिया एवं मिलिंद देशपाण्डे द्वारा प्रदान किया जा रहा है. उन्होंने प्रशिक्षण में संबंधित विभागों के उपर्युक्त सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने एवं समस्त चार्ज जनगणना अधिकारी तहसीलदार, मुख्य नगर पालिका नगर परिषद अपने साथ एक जनगणना लिपिक को भी प्रशिक्षण के लिए अनिवार्य रूप से उपस्थित कराना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं.

सड़क दुर्घटना में घायल मजहर लाला की मौत

शुजालपुर। नेशनल हाईवे 752सी आष्टा-शुजालपुर मार्ग पर तीन दिवस पूर्व हुई भीषण सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए दुध व्यवसायी मजहर लाला पिता मसूद खां निवासी कृष्णानगर शुजालपुर मंडी की उपचार के दौरान भोपाल में रविवार की रात को मृत्यू हो गई. बता दें दो कारों के बीच हुई इस दुर्घटना में गोंदी थाना आष्टा निवासी बद्रीप्रसाद पिता बावलजी परमार की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई थी. साथ ही इस दुर्घटना में तीन अन्य घायल हुए थे. यह सड़क दुर्घटना किशोनी जोड के आगे 20 फरवरी की सुबह हुई थी, गोंदी निवासी ग्रामीण विवाह समारोह में शामिल होने के लिए शुजालपुर की और कार से आ रहे थे तो शुजालपुर सिटी दुध सग्रहण के लिए मजहर लाला जेठडा जोड की और जा रहे थे तभी दोनों कारों के बीच आमने सामने की टक्कर हुई थी. इस दुर्घटना के बाद मजहर लाला कार से बाहर गिरने के बाद काफी दुर तक सड़क पर घसटाते हुए गए थे और शरीर में गंभीर चोटे होने पर भोपाल रेफर किया गया था, मृतक मजहर के शव का परीक्षण भोपाल अस्पताल में हुआ और अंतिम संस्कार शुजालपुर में किया गया.

स्वास्थ्य शिविर में 350 लोगों की जांच

उच्च शिक्षा मंत्री ने बताया आयोजन को लेकर सरहानीय कदम

शुजालपुर। आष्टा रोड स्थित पाटीदार छात्रावास शुजालपुर में जिंदल अस्पताल भोपाल द्वारा निः शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया. शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री इंदरसिंह परमार ने किया तथा अध्यक्षता समाजसेवी एवं वरिष्ठ भाजपा नेता जेपी परमार ने की. विशेष अतिथि के रूप में पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक नायक, मंडल अध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी, न्यास अध्यक्ष हरिचरण मंगलावत मौजूद रहे.

इस शिविर में बडी संख्या में क्षेत्र से नागरिकों ने शामिल होकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया. विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने कैंसर संबंधी रोग, मुंह का छाला, सिस्ट गांठ, गठिया व जोड़ों का दर्द, घुटना प्रत्यारोपण संबंधी सलाह, स्त्री एवं प्रसूति रोग, पेट एवं पाइल्स की समस्या, थायराइड, फेफड़ों से संबंधित रोग सहित विभिन्न बीमारियों की जांच कर लगभग 350 मरीजों को परामर्श दिया गया. शिविर में कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. अमर जैन, डॉ. अभिषेक तिवारी, डॉ. गौतम चतुर्वेदी, आई सर्जन डॉ. राजू मंगलावत, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. रजनी मंगलावत, महिला एवं मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. आफरीन अली सहित अन्य चिकित्सकों ने सेवाएं दीं. उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने इस शिविर को आयोजन समिति का अच्छा कदम बताते हुए मध्यप्रदेश शासन द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं के लिए दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी. आयोजकों के अनुसार शिविर में बड़ी संख्या में मरीजों की जांच कर उन्हें निः शुल्क परामर्श एवं दवाईयां प्रदान की गईं. कार्यक्रम के सफल आयोजन में समिति सदस्यों एवं स्वयंसेवकों का विशेष योगदान रहा.

20 तक कर सकेंगे आवेदन

सोयतकलां। अजा वर्ग के मेधावी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संचालित प्रतिभा योजना के अंतर्गत पात्र अभ्यर्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु एमपीटास पोर्टल को पुनः 20 फरवरी 2026 से 20 मार्च 2026 तक खोला जा रहा है. पात्र अभ्यर्थी निर्धारित अवधि में ऑनलाइन आवेदन कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं. उल्लेखनीय है कि योजना के तहत जेईई, नीट, क्लैट, एआईआईएमएस, एनडी जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनित होकर आईआईटी, एनआईटी, एनएलयू, शासकीय एमबीबीएस, एनडीए संस्थानों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को 25000 से 50000 तक की प्रोत्साहन राशि दी जाती है. प्रतिभा योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु विद्यार्थी मध्यप्रदेश का मूल निवासी हो. निर्धारित राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षा उत्तीर्ण कर मान्य संस्थान में प्रवेश प्राप्त किया हो. अभ्यर्थी/माता-पिता/पालक की समस्त स्त्रोतों से वार्षिक आय 6 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए.

वर्कबुक के प्रभावी उपयोग पर चर्चा

प्रधान अध्यापकों का एकदिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम

शाजापुर। कलेक्टर ऋजु बाफना के निर्देशानुसार जिले में चयनित शालाओं के प्रधान अध्यापकों के लिए एकदिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया. जिन शालाओं में शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार के लिए अधिक प्रयास की आवश्यकता है, उनके प्रधान अध्यापकों के साथ अप्रैल माह से समान कार्ययोजना पर काम करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

उन्मुखीकरण में शिक्षण सामग्री, कक्षा 1 से 3 तक के निपुण लक्ष्य, भाषा एवं गणित के दैनिक कक्षा संचालन, शिक्षक संदर्शिका एवं वर्कबुक के प्रभावी उपयोग पर विस्तार से जानकारी दी गई. साथ ही कक्षाओं में क्रियाशील रीडिंग कॉर्नर एवं समृद्ध शिक्षण वातावरण निर्माण पर भी चर्चा हुई. कार्यक्रम में टीम लीडर के रूप में प्रधान अध्यापक की भूमिका, नेतृत्व कौशल तथा विद्यालय सुधार के लिए आवश्यक बिंदुओं पर चर्चा करते हुए चेकलिस्ट भी साझा की गई. सभी प्रधान अध्यापकों को जिले को निपुण बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया. यह उन्मुखीकरण विकासखंड शाजापुर, मोहन बड़ोदिया के लिए डाइट शाजापुर में तथा विकासखंड कालापीपल एवं शुजालपुर के लिए शुजालपुर में आयोजित किया गया. उन्मुखीकरण में प्रोजेक्ट लीड सुमित साध द्वारा प्रधान अध्यापक की भूमिका पर विशेष चर्चा की गई. उन्मुखीकरण में प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए विद्यालय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सुनिश्चित करने का संकल्प लिया. कार्यक्रम का प्रस्तुतीकरण अभिषेक चतुर्वेदी, संजय राजपूत, सभाजीत पटेल, अनीश खान, टेकचंद प्रजापति एवं स्नेहा द्विवेदी द्वारा किया गया. इस अवसर कार्यक्रम में डाइट प्राचार्य अनीता श्रीवास्तव, डीपीसी, जिला एफएलएन प्रभारी, बीआरसी एवं मिशन अंकुर प्रभारी उपस्थित थे।

अवैध आवासीय कॉलोनी काटने पर एफआईआर

कलेक्टर के आदेश पर सीएमओ ने दर्ज कराया केस

शुजालपुर। नगरीय क्षेत्र में पूर्व में बिना अनुमति के काटी गई आवासीय कॉलोनियों के मामले में कलेक्टर शाजापुर के आदेश पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी शुजालपुर ने पुलिस थाना सिटी में एफआईआर दर्ज कराई. जिनके विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई उन लोगों ने भूमि पर बिना कॉलोनाइजर रजिस्ट्रेशन, बिना कॉलोनी विकास अनुमति, नगर तथा ग्राम निवेश देवास से नक्शा अनुमोदन कराए बिना अवैध रूप से बिना वैध अनुमति के भूखंड काटकर आवासीय कॉलोनी का निर्माण किया.

शुजालपुर मुख्य नगर पालिका अधिकारी की शिकायत पर दानिश खां पिता मोहम्मद खां निवासी शुजालपुर सिटी, उस्मान खां पिता सुबान खां, ज्ञानसिंह मेवाडा पिता माधोसिंह, विशाल पिता लक्ष्मण गवली निवासी शाजापुर, गिरधरशरण पिता ललित मोहन निवासी शुजालपुर सिटी के विरूद्ध मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम की धाराओं के तहत शुजालपुर थाना सिटी में अपराध पंजीबद्ध किया गया. सीएमओ से मिली जानकारी के मुताबिक क्षेत्र की अवैध कालोनियों की जांच की जा रही है, आगे भी इस इस तरह की कार्यवाही कलेक्टर के आदेशानुसार जारी रहेगी.

डिजिटल सशक्तिकरण पर व्याख्यान

रासेयो इकाई का विशेष शिविर आयोजित, स्वयंसेवकों ने दिया स्वच्छता का संदेश

सोयतकलां। स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय सुसनेर के प्राचार्य डॉ. जीसी गुप्ता के मार्गदर्शन में गत दिवस राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के विशेष शिविर में स्वयंसेवकों ने ग्राम मैना में श्रमदान करते हुए नालियों की सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया. इस दौरान ग्रामीणों को स्वच्छ पर्यावरण के महत्व के प्रति भी जागरूक किया गया.

शिविर के अंतर्गत आयोजित बौद्धिक सत्र में डिजिटल सशक्तिकरण विषय पर व्याख्यान रामकुमार अंजोरिया द्वारा दिया गया. उन्होंने डिजिटल तकनीक के उपयोग, ऑनलाइन सेवाओं की जानकारी तथा सुरक्षित इंटरनेट प्रयोग के बारे में विस्तार से बताया. कार्यक्रम के सांस्कृतिक सत्र में स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक एनएसएस गीत प्रस्तुत कर वातावरण को प्रेरणादायक बनाया. शिविर की गतिविधियों की जानकारी रासेयो कार्यक्रम अधिकारी काशीराम प्रजापति ने प्रदान की. इस अवसर पर सीमा मुवेल, सागर भारती, नितेश का विशेष सहयोग रहा. संचालन स्वयंसेवक प्रिया राजपूत ने किया. तो वहीं कार्यक्रम में आभार स्वयंसेवक प्रियंका माली ने माना.

सावधान रहें, ठगी हो जाए तो 1930 पर संपर्क करें

शाजापुर। साइबर ठगी से सावधान करने व विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से साइबर जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जहां साइबर सेल प्रभारी विकास तिवारी ने विद्यार्थियों को साइबर सेल के बारे में विस्तार से बताया तथा ठगी हो जाने पर बचाव के बारे में भी विस्तार से बताया. उन्होंने उपस्थित छात्र-छात्राओं को साइबर सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की. प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञ अधिकारी द्वारा वित्तीय धोखाधड़ी, बैंक फ्राड, ओटीपी साझा करने के खतरेए फर्जी लिंक एवं आनलाइन ठगी से बचाव के बारे में विस्तार से बताया गया. साथ ही सोशल मीडिया सुरक्षा के अंतर्गत फेसबुक एवं व्हाट्सएप हैकिंग, फर्जी प्रोफाइल, हनी ट्रैप जैसे साइबर अपराधों से सतर्क रहने एवं व्यक्तिगत जानकारी साझा न करने की सलाह दी गई. तिवारी ने साइबर अपराध होने की स्थिति में त्वरित कार्यवाही हेतु राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 तथा आनलाइन शिकायत पोर्टल के बारे में जानकारी दी एवं लोगों को तत्काल शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया. युवाओं को साइबर वालंटियर के रूप में कार्य करने, अपने आसपास के लोगों को जागरूक करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सुरक्षा का संदेश प्रसारित करने हेतु प्रेरित किया. पुलिस विभाग द्वारा आमजन से अपील की गई कि किसी भी प्रकार के संदिग्ध काल, मैसेज या लिंक पर विश्वास न करें तथा साइबर धोखाधड़ी की आशंका होने पर तुरंत 1930 पर संपर्क कर पुलिस को सूचित करें.

अपराधिक गतिविधियों में लिप्त अनिल उर्फ अंटू जिला बदर

शाजापुर। जिला दंडाधिकारी ने अपराधिक गतिविधियों में लिप्त थाना कोतवाली शाजापुर मीरकला बाजार निवासी 45 वर्षीय अनिल उर्फ अंटू पिता विजय सर्राफ को एक वर्ष के लिए जिला बदर करते हुए शाजापुर एवं सीमावर्ती जिले देवास, उज्जैन, आगर मालवा, राजगढ़ तथा सीहोर की राजस्व सीमा से बाहर जाने के आदेश दिए है. जिला दण्डाधिकारी ने निष्कासन आदेश जारी करते हुए आदेशित किया है कि वह प्रतिबंधित अवधि में बिना पूर्व अनुमति के उक्त क्षेत्रों में प्रवेश न करें।

एक नजर में

आगर परिक्षेत्र में शीतकालीन गिद्ध गणना संपन्न, दो सफेद गिद्ध मिले

संरक्षण प्रयासों से अंचल में लगातार बढ़ रही गिद्धों की संख्या

सोयतकलां। शासन के निर्देशानुसार 20, 21 एवं 22 फरवरी को आगर वन परिक्षेत्र अंतर्गत शीतकालीन गिद्ध गणना सफलतापूर्वक संपन्न की गई. गणना के दौरान माहरुंडी बीट क्षेत्र में इजिप्शियन गिद्ध (सफेद गिद्ध) प्रजाति के 02 गिद्ध दृष्टिगोचर हुए. साथ ही 1 सक्रिय घोंसला भी पाया गया.

यह गिद्ध भारतीय उपमहाद्वीप की अपेक्षाकृत छोटी प्रजाति है, जो प्रदेश में आवासीय एवं प्रजनन करती है तथा पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. गिद्ध इस गणना का मुख्य उद्देश्य गिद्धों की प्रजातिवार अद्यतन संख्या का आंकलन, संरक्षण रणनीतियों को सुदृढ़ करना तथा दीर्घकालीन निगरानी प्रणाली को और मजबूत बनाना रहा. गिद्ध गणना का संपूर्ण डेटा मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से संकलित किया गया. इससे जानकारी का सटीक, पारदर्शी एवं जियो टैग आधारित अभिलेखीकरण सुनिश्चित हुआ, जो भविष्य की संरक्षण योजनाओं में सहायक सिद्ध होगा.

कर्मचारियों का सराहनीय योगदान...

आगर मालवा वन परिक्षेत्र में रेंजर लक्ष्मी नारायण चौधरी के मार्गदर्शन में गिद्ध गणना कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया. इस कार्य में परिक्षेत्र सहायक, बड़ौद मयंक श्रीवास्तव, वन रक्षक गोविंद शर्मा, पदम परमार, राकेश कुमार कुम्भकार, विपिन कुमार शर्मा, अर्जुन, धीरज माली एवं कृष्णपाल झाला द्वारा सक्रिय, निष्ठापूर्वक एवं सराहनीय सहयोग प्रदान किया गया.

पर्यावरण में गिद्धों का है विशेष महत्व...

गिद्ध प्रकृति के प्राकृतिक सफाईकर्मी हैं. ये मृत पशुओं के अवशेषों को शीघ्रता से नष्ट कर पर्यावरण को स्वच्छ रखते हैं तथा एन्थ्रेक्स, फुट एंड माउथ डिसीज और रेबीज जैसी बीमारियों के प्रसार को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. वन परिक्षेत्र अधिकारी द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि गिद्धों के प्राकृतिक आवास एवं घोंसला स्थलों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें. पशुओं के उपचार में प्रतिबंधित औषधि डाइक्लोफेनाक का उपयोग न करें. वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के प्रावधानों का पालन करते हुए गिद्ध संरक्षण में सक्रिय सहयोग प्रदान करें.

मध्य प्रदेश में बढ़ी गिद्धों की संख्या...

वर्ष 2016 से 2025 के बीच मध्यप्रदेश में गिद्धों की संख्या में निरंतर वृद्धि दर्ज की गई है. 2016 में कुल गिद्धों की संख्या 6999 दर्ज की गई थी, जो वर्ष 2025 में कुल गिद्धों की संख्या 12710 हो गई है. यह वृद्धि राज्य में संचालित संरक्षण उपायों, नियमित प्रजातिवार गणना, वैज्ञानिक निगरानी, घोंसला स्थलों के संरक्षण एवं जन जागरूकता कार्यक्रमों के सकारात्मक परिणामों को दर्शाती है. प्रतिबंधित औषधि डाइक्लोफेनाक के उपयोग पर प्रभावी नियंत्रण, प्राकृतिक आवासों का संरक्षण तथा स्थानीय समुदायों की सहभागिता ने गिद्ध संरक्षण को मजबूती प्रदान की है.